# सफलता की कहानी 4

**बीना साहू**
**उम्र –28 , ि क्षा 10 वीं**
**पता– ग्राम बलौदाबाजार , विकासखण्ड – बलौदाबाजार**
**जिला– बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.)  दिव्यांगता – अस्थि बाधित**

**परिवारिक स्थिति :–**बीना साहू का परिवार जो कि एक निम्न आय वर्ग की स्थिति में है परिवार का भरण पोषण पिता द्वारा ड्राइवर का काम कर किया जाता है। जन्म से ही दोनो पैर से दिव्यांग वीणा के तीन बहन एवं दो भाई है। दो बहन एवं दोनो भाईयों का शादी हो चुका है, बीना भाई बहनों में सबसे बढ़ी है। बीना के परिवार में कुल 08 सदस्य है। बीना की ि क्षा 8 वीं तक ही हो पाया क्योकि परिवार में आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने एवं गंभीर दिव्यांग होनें के कारण व मॉ का देहांत हो जानें के कारण विद्यालय आनें जानें में परे ानी के कारण आगे की पढ़ाई नहीं हो पाया। बीणा जो कि दिव्यांग होते हुए भी आगे बढ़ना चाहती थी पर परिवार एवं समाज का सहयोग नहीं मिलनें के कारण वो आगे नहीं बढ़ पा रही थी। उन्होनें नें कौ ाल विकास कार्यक्रम से सिलाई का कोर्स कर छोटे स्तर पर सिलाई का कार्य प्रारंभ कर अपनें घर के खर्चों में सहयोग करती थी। उन्हें शासन के पें ान योजना के अलावा किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल पा राहा था।

**गृहिणी परियोजना से जुड़नें के बाद :–**बीना जो कि शासन की योजना के बारें में अनभिज्ञ थी। उन्हें गृहिणी स्वयं सेवी संस्था के द्वारा संपर्क किया गया एवं शासन की योजनओं एवं दिव्यांगों के अधिकारों के बारें में जानकारी दिया गया , बीना संस्था के इस कार्य से बहुत ही प्रसन्न हुई एवं योजना के लाभ प्राप्त करनें के लिए तैयार हो गई एवं स्व वकालत से रा ान कार्ड बनवाया व अपनें मोहल्लें के दिव्यांगों को समुह बनानें के लिए प्रेरित किया एवं दिव्यांग सबल समुह का निर्माण किया उसमें 10 सदस्य हैं। जो कि स्वयं सहायता के लिए मासिक 100 रूपए जमा करनें का निर्णय लिए एवं कुछ दिन बाद भारतीय स्टेट बैंक में खाता भी खुला लिए एवं आंतरिक लेन देन एवं बैंक में जमा भी करनें लगें।

संस्था के द्वारा जागरूकता प्र ि क्षण , अगरबत्ती प्र ि क्षण का कार्यक्रम रखा गया जिसमें बीना नें भागीदारी की एवं अन्य संस्थाओं पेपर काफ्ट बनानें का प्र ि क्षण ले कर पेपर का थैला बनाना भी प्रारंभ किया। बीना साहू जो कि शहरी आजीविका मि ान में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत कार्य हेतु समुह द्वारा फार्म जमा कि थी क्योंकि बीना जो गैर दिव्यांग समुह में भी भागीदारी करती है। जिसे दिव्यांगता के कारण इस कार्य में उनका चयन नहीं किया जा रहा था। लेकिन संस्था के द्वारा पैरवी करनें पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत समुहों के द्वारा कचरा छटॉई वर्कर में इनको कार्य दिया गया। इस कार्य से इन्हें मासिक 5000 रूपए प्राप्त हो रहा है। इस कार्य से वो बहुत ही खु ा है एवं परिवार का सहयोग कर रही है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा रायपुर में मिशन स्वच्छ शहर कार्यक्रम के तहत उनके काम के प्रति उनके समर्पण को देखने के बाद। वीणा को चुनाव में डिसेबल पर्सन आइकन के रूप में भी नियुक्त किया गया है। वीणा की सफलता और सशक्तिकरण की कहानी अब समाज की कई वंचितों, आत्म–निर्भर महिलाओं के लिए एक प्रेरणा है।